ऐ पैग़म्बर! जो कुछ तुम्हारे ऊपर तुम्हारे रब की तरफ़ से उतरा है उसे पहुँचा दो.
और अगर तुमने ऐसा नहीं किया

तो तुमने अल्लाह के पैग़ाम को नहीं पहुँचाया.
और अल्लाह तुम्हें लोगों से बचाएगा..... (अल-माइदा :67)

कुरआन क़यामत तक के सारे इंसानों के लिए ख़ुदा की तरफ़ से आई हुई गाइड-बुक (यानी किताबे-हिदायत) है. ख़ुदा की तरफ़ से सारे पैग़म्बर इसीलिए आते थे कि वे इंसानों तक उनके रब का पैग़ाम पहुँचा दें. दौरे-रिसालत में इंसानों तक उनके रब का पैग़ाम पहुँचाना जितना ज़रूरी था उतना ही ज़रूरी दौरे-रिसालत के बाद के इंसानों तक पहुँचाना है.

कुरआन ख़ुदा का आख़िरी और महफ़ूज़ पैग़ाम है. कुरआन ज़िंदगी की हक़ीक़त और उसका अंजाम बताता है. कुरआन इंसानों के ताल्लुक़ से ख़ुदा के मंसूबे को बताता है. कुरआन यह वाज़ेह करता है कि मौत से पहले के दौरे-हयात में ख़ुदा को इंसान से कैसी ज़िंदगी मतलूब है. और मौत के बाद इंसान के साथ क्या पेश आने वाला है.

कुरआन के मुताबिक़ इंसान का सबसे बड़ा मसला आख़िरत का मसला है, आख़िरत की कामयाबी ही हक़ीक़ी कामयाबी है और आख़िरत की नाकामी ही हक़ीक़ी नाकामी. कुरआन जिस मसले से इंसान को आगाह करता है वह क़यामत तक के हर इंसान से जुड़ा हुआ मसला है. लिहाज़ा उन तक ख़ुदा का पैग़ाम यानी 'कुरआन' पहुँचाना नागुज़ीर है, ताकि लोग उस मसले से आगाह हो जाएं.

अब चूँकि पैग़म्बर आने वाले नहीं हैं इसलिए अब **'उम्मते-मुहम्मदी'** की यह नागुज़ीर ज़िम्मेदारी है कि वह ख़ुदा का पैग़ाम सारे इंसानों तक पहुँचा दे. इसी काम को अंजाम देने पर उम्मत की दुनिया में फलाह है और आख़िरत में नजात.

क्या ये लोग कुरआन में ग़ौर नहीं करते या उनके दिलों पर ताले लगे हुए हैं? (47:24)

कुरआन का हक़ीक़ी मोमिन व क़ारी वही है जो कुरआन को ग़ौर-व-फ़िक्र के साथ समझ कर पढ़े और उसी के मुताबिक़ ख़ुद अपनी ज़िंदगी का नक़्शा बनाए और ख़ुदा का पैग़ाम 'कुरआन' दूसरे इंसानों तक पहुँचाए.

Al-Quran Publication Contact : 09767172629
www.alquranpublication.com
Hadia ₹ 80

कुरआन हिंदी में

Al-Quran Publication

ख़ुदा का
आख़िरी और महफ़ूज़ पैग़ाम

कुरआन हिंदी में

हिंदी में कुरआन का निहायत आसान तर्जुमा

Al-Quran Publication
-producing the clear & quality translations

A Message By **Al-Quran Publication**

क़ुरआन **सारे इंसानों के लिए** ख़ुदा का महफ़ूज़ हिदायतनामा (**Preserved Guide Book**) है. जमीन के ऊपर और आसमान के नीचे ख़ुदा की मर्ज़ी और उसका **creation plan** जानने का वाहिद ज़रिया है. **Al-Quran Publication** का **Goal** यह है कि ख़ुदा के बंदों तक ख़ुदा की किताब पहुँच जाये और लोग ख़ुदा का **creation plan** जान लें ताकि, कल ख़ुदा की अदालत में कोई यह कह न सके कि ख़ुदाया! मुझे तो इस **Available Guide Book** के बारे में कुछ भी पता नहीं था. जिसमें तूने ज़िंदगी की हक़ीक़त बतायी थी और जिन लोगों पर तेरा पैग़ाम पहुँचाने की ज़िम्मेदारी थी. उन्होंने मुझ तक उसे नहीं पहुँचाया.

इसलिए आपसे गुज़ारिश है कि आप अपनी हैसियत के मुताबिक़ यह सारे **'इंसानों की अमानत'** उन तक पहुँचाने के **Mission** में अपना हाथ बटाएँ. आप 5/50/500 या उससे ज़्यादा ख़ुदा के बंदों तक क़ुरआन पहुँचा सकते हैं. इस तरह जो-जो इन्सान आप के **contact** में आ रहे हैं, उन्हें आप ख़ुदा के **contact** में लाने का ज़रिया बन सकते हैं. ख़ुदा का पैग़ाम पहुँचाने के ताल्लुक़ से क़ुरआन में साफ़-साफ़ अल्फ़ाज़ में यह हुक्म दिया गया है.

1) ... **उस चीज़ को (सारे इन्सानों तक) पहुँचा दो जो अल्लाह ने नाज़िल की है**...(5:67)

2) ....**पहुँचाना तुम्हारा काम है और हिसाब लेना हमारे ज़िम्मे है.**(13:40)

दावत का यह काम, करने का नागुज़ीर काम है. क्योंकि इसी काम की बुनियाद पर इन्सानों के हमेशा के मुस्तक़बिल का फैसला होने वाला है.

हर घर में 'ख़ुदा का पैग़ाम' पहुँचाने के अल-क़ुरआन पब्लिकेशन के इस मिशन में आप अपनी हैसियत से शामिल हो जाइए.

Huge Quantity पर **Cost Price** पर **Available** है. Contact: **09767172629**

दुनिया की तिजारत के साथ आख़िरत की तिजारत भी कीजिए